डॉ. मीरा सिंह "मीरा"

प्यारे पेड़ बताना

नन्हे राजू ने हँस पूछा,
प्यारे पेड़ बताना।
भूख लगे जब तुझे जोर से,
कौन खिलाता खाना।।

अम्मा तेरी नजर न आती,
कौन पकाएँ खाना।
खेतों से लेकर आती क्या,
तेरी माँ भी दाना।।

एक जगह क्यों खड़ा रहे तू,
सच्ची बात बताना।
क्या तुझको भी सजा मिली है,
प्यारे पेड़ बताना।।

स्वाद भरा यह लड्डू खा ले,
लाए थे कल नाना।
लोटा भर अब पानी पी ले,
अपनी प्यास बुझाना।।

खेल निराला

दौड़ो बाबू ,दौड़ो लाला,
आया है कठपुतली वाला।
आओ देखो प्यारे बच्चो
कठपुतली का खेल निराला।।

खेल शुरू होने के पहले
मिलकर सभी बजाओ ताली।
यह है झुमरू सब्जी वाला
साथ खड़ी इसकी घरवाली।।

अब देखो यह भोली लड़की
यह झुमरू की बिटिया प्यारी।
सभी बड़ों का कहना माने,
बातें करती मीठी प्यारी।।

बच्चो, इसकी सुनो कहानी
यह बिटिया है कितनी ज्ञानी।
नित पढ़ने जाती विद्यालय
कुछ करने की मन में ठानी।।

सुनो -सुनो अब नयी कहानी
कहता है कठपुतली वाला।
देखो लाला, देखो बाबू,
कठपुतली का खेल निराला।।

 ISSN:2583-8849